भजन

तर्ज–हाय शरमाऊं

हाय घबराऊं किस किसको बताऊं,
ऐसे कैसे मैं सुनाऊ सबको
पिया की मेहरबानियां,धनी की मेहरबानियां

1–पहले बृज में है आये संग सखियों को लाये
योगमाया में जाकर अंखड रास रचाए
फिर हुई जुदाई सखियां घबराई
आकर दूर की हैरानियां

2–कहती नानक की वाणी ये है दूजी निशानी
पहने नीले वस्त्र बन गये तुर्क पठानी
अल्लाह कहां है अर्श जहां है
यह है कुरान में निशानियां

3–यह है तीजी निशानी अपने घर की कहानी
लाए तारतम की वाणी जो ब्रह्मसृष्टि ने जानी
ब्रह्म वही है खुदा वही है यह है उनकी निशानियां